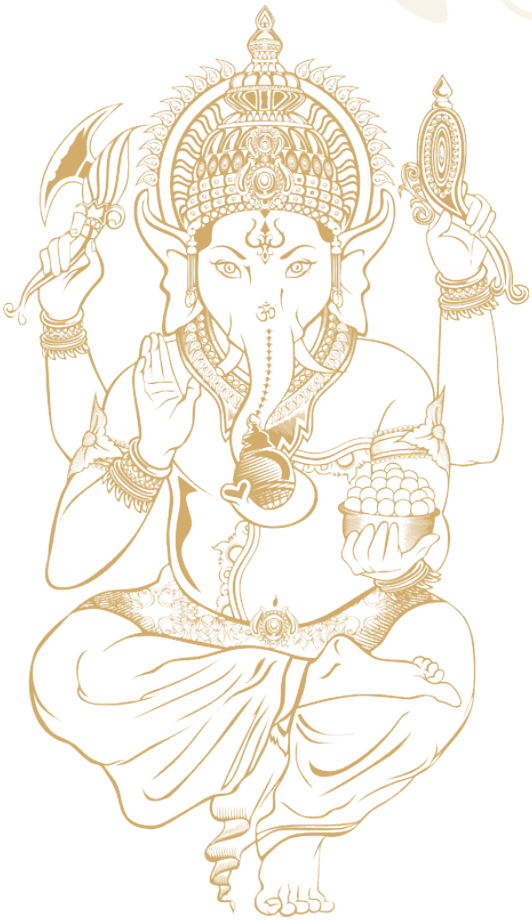

Mr.arvin narula

Ms.shalu rani

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120396601

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120396601 Date: 02/12/2025

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
15/05/2025	जन्म तिथि	09/11/2001
गुरुवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 11:35:00	जन्म समय	10:45:00 घंटे
घटी 14:56:09	जन्म समय(घटी)	09:39:31 घटी
India	देश	India
Firozpur	स्थान	Firozpur
30:55:00 उत्तर	अक्षांश	30:55:00 उत्तर
74:38:00 पूर्व	रेखांश	74:38:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:31:28	स्थानिक संस्कार	-00:31:28 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:36:32	सूर्योदय	06:53:11
19:19:31	सूर्यास्त	17:37:16
24:12:42	चित्रपक्षीय अयनांश	23:52:40
कर्क	लग्न	धनु
चन्द्र	लग्न लग्नाधिपति	गुरु
वृश्चिक	राशि	सिंह
मंगल	राशि-स्वामी	सूर्य
ज्येष्ठा	नक्षत्र	मघा
बुध	नक्षत्र स्वामी	केतु
4	चरण	1
सिद्ध	योग	ब्रह्म
वणिज	करण	तैतिल
यू-युवराज	जन्म नामाक्षर	मा-मानवी
वृष	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक
विप्र	वर्ण	क्षत्रिय
कीटक	वश्य	वनचर
मृग	योनि	मूषक
राक्षस	गण	राक्षस
आद्य	नाड़ी	अन्त्य
मृग	वर्ग	मूषक

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
बुध 1वर्ष 7मा 23दि		22:15:50	कर्क	लग्न	धनु	12:27:05	केतु 5वर्ष 9मा 28दि	
बुध		00:27:27	वृष	सूर्य	तुला	22:59:22	शुक्र	
15/05/2025		28:42:25	वृश्चि	चंद्र	सिंह	02:13:59	08/09/2007	
07/01/2027		18:12:31	कर्क	मंगल	मक	14:47:43	08/09/2027	
	00/00/0000	14:08:11	मेष	बुध	तुला	08:15:32	शुक्र	07/01/2011
	00/00/0000	00:06:56	मिथु	गुरु व	मिथु	21:44:31	सूर्य	07/01/2012
	00/00/0000	15:48:58	मीन	शुक्र	तुला	06:56:44	चन्द्र	07/09/2013
	00/00/0000	04:59:00	मीन	शनि व	वृष	19:29:32	मंगल	07/11/2014
	00/00/0000	01:17:55	मीन व	राहु व	मिथु	04:04:25	राहु	07/11/2017
	00/00/0000	01:17:55	कन्या व	केतु व	धनु	04:04:25	गुरु	08/07/2020
	00/00/0000	02:55:37	वृष	हर्ष	मक	27:04:06	शनि	08/09/2023
	15/05/2025	07:17:15	मीन	नेप	मक	12:15:10	बुध	08/07/2026
शनि	07/01/2027	09:34:51	मक व	प्लूटो	वृश्चि	20:10:51	केतु	08/09/2027

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

24:12:42 चित्रपक्षीय अयनांश 23:52:40

लग्न-चलित

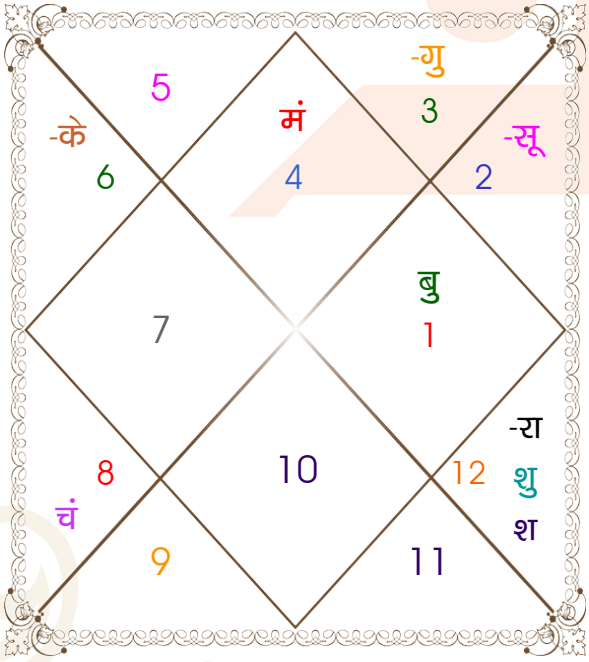

लग्न-चलित

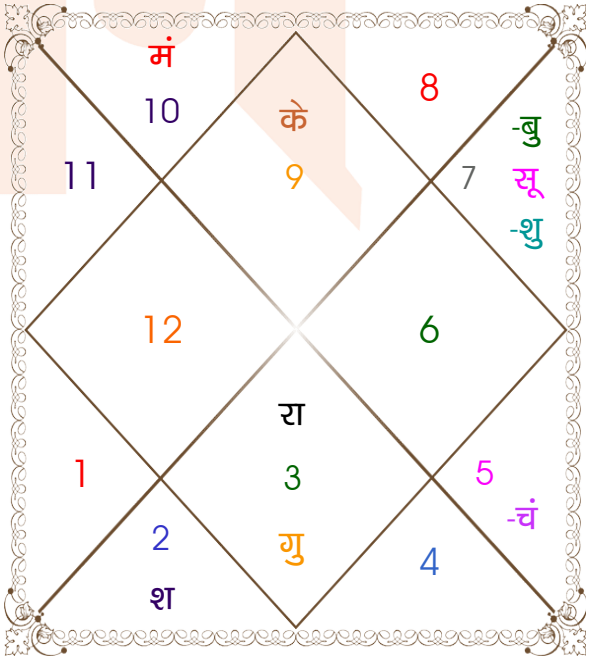

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	वनचर	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मृग	मूषक	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	सूर्य	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	सिंह	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	32.00		

कुल : **32 / 36**

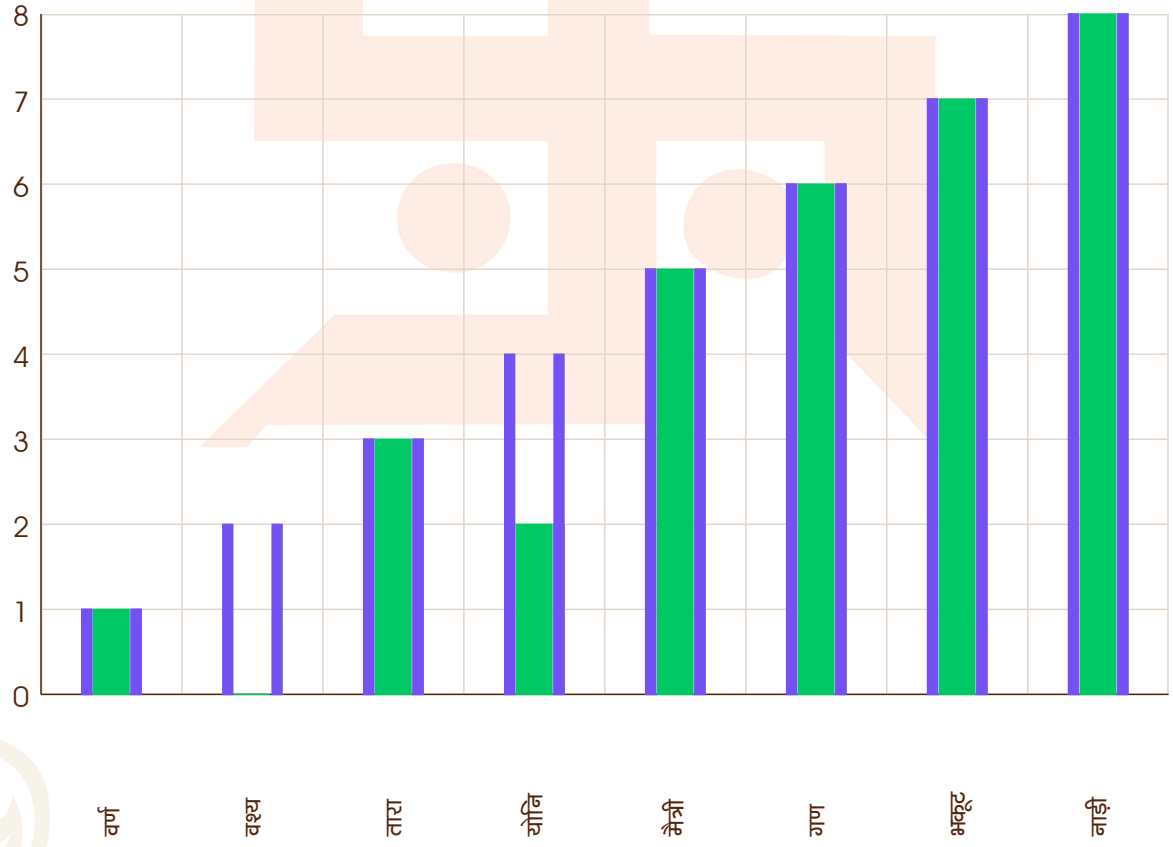

अष्टकूट मिलान

डतण्तअपद दंतनसं का वर्ग मृग है तथा डेर्णेसन तंदप का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण्तअपद दंतनसं और डेर्णेसन तंदप का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण्तअपद दंतनसं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

ढप्ध्;डडत्मजतवह;0द्धझ0द्धझ क्योंकि मंगल डतण्तअपद दंतनसं कि कुण्डली में वक्री है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

डेर्णेसन तंदप मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि डेर्णेसन तंदप कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतण्तअपद दंतनसं तथा डेर्णेसन तंदप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

डतण्तअपद दंतनसं का वर्ण ब्राह्मण तथा डेर्णेसन तंदप का वर्ण क्षत्रिय है। अतः यह मिलान अति उत्तम है। जिसके प्रभाव से डेर्णेसन तंदप में अपने पति के प्रति अगाध प्रेम, श्रद्धा एवं सम्मान की भावना रहेगी। कभी-कभी क्षत्रिय खून की गर्मी भी समय-समय पर उबाल मारने के कारण समय-समय पर डेर्णेसन तंदप आक्रामक व्यवहार कर सकती हैं हालांकि उनका व्यवहार कभी भी अनियंत्रित नहीं होगा। डेर्णेसन तंदप सदैव अपने उत्तरदायित्व का निर्वहन भली-भांति करती रहेंगी तथा वे सदैव प्रशंसा की पात्र रहेंगी।

वश्य

डतण्तअपद दंतनसं का वश्य कीट है एवं डेर्णेसन तंदप का वश्य वनचर है। जिसके कारण यह मिलान खराब मिलान है। कीट डतण्तअपद दंतनसं एवं वनचर डेर्णेसन तंदप के बीच किसी भी प्रकार की अनुकूलता एवं तालमेल नहीं हो सकता है। अतः दोनों के बीच शत्रुता की भावना रह सकती है तथा इनका अधिकांश समय आपस में लड़ने-झगड़ने, शिकवा-शिकायत, आरोप-प्रत्यारोप करने तथा परस्पर वार करने में गुजर जायेगा। इनका जीवन कष्टपूर्ण हो सकता है तथा परिवार की सुख-शांति नष्ट हो सकती है। इनके बच्चे भी नाकामयाब तथा आक्रामक हो सकते हैं।

तारा

डतण्तअपद दंतनसं की तारा अतिमित्र तथा डेर्णेसन तंदप की तारा सम्पत है। अतः दोनों की तारा अनुकूल होने के कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। यह विवाह वैवाहिक जीवन एवं परिवार के लिए चहुंमुखी समृद्धि का मार्ग प्रशस्त करता रहेगा। साथ ही दोनों एक-दूसरे के लिए काफी भाग्यशाली साबित होंगे। डतण्तअपद दंतनसं हमेशा डेर्णेसन तंदप के साथ मित्रवत व्यवहार करता रहेगा तथा उसे असीम प्रेम एवं प्यार देता रहेगा। इनके बच्चे भी काफी बुद्धिमान, भाग्यशाली, आज्ञाकारी एवं सफल होंगे।

योनि

डतण्तअपद दंतनसं की योनि मृग है तथा डेर्णेसन तंदप की योनि मूषक है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव

भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में डतण्तअपद दंतनसं एवं डेर्णेसन तंदप दोनों के राशि स्वामी परस्पर मित्र हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्यातिष की दृष्टि से यदि डतण्तअपद दंतनसं एवं डेर्णेसन तंदप के राशिस्वामी परस्पर मित्र होने के कारण इसे अति उत्तम मिलान माना जाता है। जिसके कारण डतण्तअपद दंतनसं एवं डेर्णेसन तंदप जीवन की हर खुशी एवं सुख प्राप्त करने में सफल होंगे तथा इनमें परस्पर विश्वास, प्रेम, समझ एवं सहयोग की भावना बनी रहेगी। साथ ही हर प्रकार की सुख-सुविधाओं एवं वैभव से परिपूर्ण होंगे।

गण

डतण्तअपद दंतनसं का गण राक्षस है तथा डेर्णेसन तंदप का गण भी राक्षस है। अर्थात डेर्णेसन तंदप का गण डतण्तअपद दंतनसं के गण के समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान रहेगा। जिसके कारण डतण्तअपद दंतनसं एवं डेर्णेसन तंदप दोनों के स्वभाव, विचार तथा पसंद-नापसंद एक जैसे होंगे। यद्यपि कि दोनों के स्वभाव क्रूर, निष्ठुर एवं असंवेदनशील होंगे किंतु फिर भी एक-दूसरे के लिए ये अति अनुकूल एवं आदर्श साबित होंगे।

भकूट

डतण्तअपद दंतनसं से डेर्णेसन तंदप की राशि दशम भाव में स्थित है तथा डेर्णेसन तंदप से डतण्तअपद दंतनसं की राशि चतुर्थ भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण डतण्तअपद दंतनसं एक पारिवारिक व्यक्ति होंगे तथा अपनी पत्नी एवं बच्चों समेत परिवार के हर सदस्य की देखभाल करेंगे। उन्हें अपने संबंधियों से ही खुशी प्राप्त होगी तथा उनकी पत्नी सदैव कर्त्तव्यों के निर्वहन में उनकी मदद करती रहेंगी। डेर्णेसन तंदप को घर, वाहन, मां का प्यार समेत जीवन में हर सुख एवं खुशी प्राप्त होगी। डेर्णेसन तंदप हमेशा अपने पति की परछाईं बनकर सदैव उनकी सहायता करती

रहेंगी।

नाड़ी

डतण्तअपद दंतनसं की नाड़ी आद्य है तथा डेर्णेसन तंदप की नाड़ी अन्त्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। इस मिलान में शरीर के दो महत्वपूर्ण अवयवों वात एवं कफ का संतुलन होता है। डतण्तअपद दंतनसं की आद्य नाड़ी तथा डेर्णेसन तंदप की अन्त्य नाड़ी अच्छे स्वास्थ्य, स्वस्थ एवं मजबूत शरीर, दम्पत्ति के आपसी प्रेम एवं समझदारी की द्योतक हैं। जिसके कारण आपकी संतान स्वस्थ, आज्ञाकारी एवं भाग्यशाली होंगी।

मेलापक फलित

स्वभाव

डतण्तअपद दंतनसं की जन्म राशि जलतत्व युक्त वृश्चिक तथा डेर्णेसन तंदप की अग्नि तत्व युक्त सिंह राशि है। जल एवं अग्नि तत्व में नैसर्गिक विषमता होने के कारण डतण्तअपद दंतनसं और डेर्णेसन तंदप के मध्य स्वभावगत विषमताएं रहेंगी परन्तु परस्पर सामंजस्य स्थापित करके अनुकूल जीवन व्यतीत करने में समर्थ होंगे। अतः मिलान सामान्य रहेगा।

डतण्तअपद दंतनसं की राशि का स्वामी मंगल तथा डेर्णेसन तंदप की राशि का स्वामी सूर्य परस्पर मित्र राशियों में स्थित है। अतः सुखी दाम्पत्य जीवन के लिए यह ग्रह स्थिति उत्तम रहेगी। इसके प्रभाव से डतण्तअपद दंतनसं और डेर्णेसन तंदप के मध्य परस्पर प्रेम सहानुभूति तथा समर्पण का भाव होगा तथा सुख दुख में एक दूसरे को पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे। साथ ही सच्चे मित्र की भांति परस्पर गुणों की प्रशंसा करेंगे तथा एक दूसरे की कमियों की उपेक्षा करेंगे। इसके प्रभाव से दाम्पत्य जीवन सुखमय रहेगा तथा संबंधों में भी मधुरता बनी रहेगी।

डतण्तअपद दंतनसं और डेर्णेसन तंदप की राशियां परस्पर दशम एवं चतुर्थ भाव में पड़ती हैं। शास्त्रानुसार यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से दोनों के अंदर प्रबल सामंजस्य की प्रवृति रहेगी तथा दाम्पत्य संबंधों में मधुरता बनाए रखने में समर्थ होंगे। वे एक दूसरे के अस्तित्व का पूर्ण सम्मान करेंगे एवं परस्पर कार्य कलापों में हस्तक्षेप कम ही करेंगे फलतः एक दूसरे के प्रति विश्वास तथा आदर का भाव रहेगा जिससे वैवाहिक जीवन की सार्थकता तथा मधुरता बनी रहेगी।

डतण्तअपद दंतनसं का वश्य कीट तथा डेर्णेसन तंदप का वश्य वनचर है। नैसर्गिक रूप से कीट एवं वनचर में विषमता होने के कारण इनकी अभिरूचियों में असमानता रहेगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर भी विषमताताएं होंगी। तथा एक दूसरे को दाम्पत्य संबधों में प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में असमर्थ रहेंगे।

डतण्तअपद दंतनसं का वर्ण ब्राह्मण तथा डेर्णेसन तंदप का वर्ण क्षत्रिय है। अतः डतण्तअपद दंतनसं की प्रवृति शैक्षणिक तथा धार्मिक कार्य कलापों के प्रति रहेगी तथा डेर्णेसन तंदप पराक्रमी तथा साहसिक कार्यो को सम्पन्न करेंगी फलतः इनकी कार्य क्षेत्र में सुदृढ़ता बनी रहेगी।

धन

डतण्तअपद दंतनसं का जन्म अतिमित्र तथा डेर्णेसन तंदप का सम्पत नामक तारा में हुआ है। इसके प्रभाव से डेर्णेसन तंदप एक धनवान तथा भाग्यशाली महिला होंगी तथा डेर्णेसन तंदप के शुभ प्रभाव से उनकी आर्थिक स्थिति में नित्य वृद्धि होती रहेगी। भकूट का प्रभाव इनकी आर्थिक स्थिति पर सम रहेगा। अतः स्वपरिश्रम से ही इच्छित धन एवं लाभ अर्जित

करने में समर्थ रहेंगे। साथ ही मंगल का भी कोई विशेष दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार डतण्तअपद दंतनसं और डेर्णेसन तंदप आरामदायक जीवन व्यतीत करने में समर्थ होंगे।

डतण्तअपद दंतनसं और डेर्णेसन तंदप को लाटरी, सट्टे या अन्य स्रोतों से अनायास धन प्राप्ति की संभावना होगी। साथ ही विभिन्न प्रकार के भौतिक संसाधनों का वे उपभोग करने में सफलता प्राप्त करेंगे। इसके अतिरक्त वे जायदाद तथा आभूषण आदि को भी अर्जित करने में समर्थ होंगे।

स्वास्थ्य

डतण्तअपद दंतनसं की नाड़ी आद्य तथा डेर्णेसन तंदप की नाड़ी अन्त्य है। अतः अलग अलग नाड़ियों में उत्पन्न होने के कारण इन पर नाड़ी दोष का प्रभाव नहीं रहेगा जिससे किसी गंभीर समस्या का सामना नहीं करना पड़ेगा परन्तु मंगल का डेर्णेसन तंदप के स्वास्थ्य पर अशुभ प्रभाव होगा जिससे उनको गर्भपात संबंधी परेशानी की संभावना होगी तथा धातु संबंधी रोगों से भी यदा कदा कष्ट की प्राप्ति होगी। साथ ही मासिक धर्म संबंधी परेशानी का भी यदा कदा सामना करना पड़ेगा। अतः मंगल के इस दुष्प्रभाव को कम करने के लिए डेर्णेसन तंदप को नियमित रूप से हनुमानजी की उपासना तथा मंगलवार के उपवास करने चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से डतण्तअपद दंतनसं और डेर्णेसन तंदप का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त डतण्तअपद दंतनसं और डेर्णेसन तंदप के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में डेर्णेसन तंदप के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन डेर्णेसन तंदप को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में डेर्णेसन तंदप को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से डतण्तअपद दंतनसं और डेर्णेसन तंदप सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार डतण्तअपद दंतनसं और डेर्णेसन तंदप का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

डेर्णेसन तंदप के सास से संबधों में मधुरता के भाव की सामान्यतया न्यूनता ही रहेगी तथा अपनी सास के साथ सामंजस्य स्थापित करने में उनको काफी कठिनाई तथा असुविधा का सामना करना पड़ेगा। अतः उनसे संबधों में मधुरता लाने के लिए डेर्णेसन तंदप को धैर्य तथा बुद्धिमता का परिचय देना चाहिए तथा अपने समस्त कार्य कलापों को सक्रियता से सम्पन्न करना चाहिए।

साथ ही ससुर से भी डेर्णेसन तंदप को समय समय पर समस्याएं उत्पन्न होगी तथा उन्हें प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में उन्हें कठिनाई का सामना करना पड़ेगा। ननद एवं देवरों से भी डेर्णेसन तंदप के संबधों में तनाव का भाव रहेगा तथा एक दूसरे के प्रति स्नेह तथा सहानुभूति के भाव में न्यूनता रहेगी फलतः परस्पर प्रतिद्वन्दिता एवं आलोचना का भाव रहेगा।

इस प्रकार डेर्णेसन तंदप का ससुराल के लोगों से अच्छे संबध नहीं रहेंगे जिससे यदा कदा वे असुविधा की अनुभूति कर सकती हैं।

ससुराल-श्री

डतण्तअपद दंतनसं तथा उनकी सास के आपसी संबधों में विशेष मधुरता नहीं रहेगी तथा कई मामलों में उनके मध्य काफी प्रबल मतभेद समय समय पर दृष्टि गोचर होंगे। अतः यदि परस्पर सामंजस्य एवं बुद्धिमता के भाव का प्रदर्शन किया जाय तो इन मतभेदों में न्यूनता आएगी तथा आपसी संबधों में मधुरता के भाव की वृद्धि होगी जिससे स्नेह एवं सम्मान का भाव बना रहेगा।

लेकिन ससुर के साथ में डतण्तअपद दंतनसं के संबध अच्छे रहेंगे तथा वह उन्हें अपने पिता की तरह मान सम्मान तथा सेवा का भाव प्रदान करेंगे। साथ ही समयानुसार वह डतण्तअपद दंतनसं को अपनी ओर से बहुमूल्य तथा आवश्यक सलाह भी प्रदान करते रहेंगे एवं उन्हें अपने पुत्र के समान अपनत्व तथा स्नेह प्रदान करेंगे। साले एवं सालियों के साथ ही डतण्तअपद दंतनसं के संबध अच्छे रहेंगे तथा उनसे वांछित आदर सहयोग एवं सहानुभूति प्राप्त होती रहेगी। साथ ही उनसे सामंजस्य का भाव भी रहेगा। इस प्रकार ससुराल का दृष्टिकोण डतण्तअपद दंतनसं के प्रति अनुकूल ही रहेगा।